

जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय कोटा

नवाचार एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ

बेसिक इंस्ट्रुमेंटेशन एंड लेबोरेटरी टेक्नीक पर कौशल विकास प्रशिक्षण

21/2 – 23/3/2023

जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय, कोटा में नियमित छात्राओं के लिए नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा बेसिक इंस्ट्रुमेंटेशन एंड लेबोरेटरी टेक्नीक्स विषय पर सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ दिनांक 21-2-2023 को किया गया। कोर्स के उद्घाटन के अवसर पर प्राचार्य डॉ संजय भार्गव ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि राजस्थान में यह ट्रेनिंग प्रोग्राम सिर्फ इसी कॉलेज में चलाया जा रहा है अतः छात्राएं इस अवसर का लाभ उठाएं तथा अपने कौशल को विकसित करें। इस अवसर पर आई क्यू ए सी प्रभारी डॉ शुचिता जैन, वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ प्रतिमा श्रीवास्तव, डॉ रेनू त्यागी ने भी छात्राओं को शुभकामनाएं दी और अपनी डिग्री के साथ साथ कुछ सीखने के लिए प्रेरित किया जो रोजगारपरकता बढ़ाने में सहायक है। कोर्स समन्वयक डॉ पूनम जायसवाल ने बताया कि यह 15 दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑफलाइन होगा जिसमें छात्राओं को भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र और प्राणी शास्त्र के लैब उपकरणों के प्रयोग की तकनीक सिखाई जाएगी साथ ही मूलभूत गणितीय गणनाएं भी सिखाई जाएंगी। इस कोर्स में 85 छात्राओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। प्रशिक्षण के समापन पर एक ऑनलाइन टेस्ट लिया जाएगा और छात्राओं को सर्टिफिकेट (हार्डकॉपी) भी दिया जाएगा।



Dr. saraswati Agarwal teaching techniques to use instruments in Chemistry

प्रशिक्षण के प्रथम दिन डॉ सरस्वती अग्रवाल ने रसायन शास्त्र में काम आनेवाले ग्लासवेयर व विभिन्न उपकरणों की क्रियाविधि तथा उपयोग तकनीक के बारे विस्तार से बताया। उन्होंने मेसूरिंग सिलिंडर , ब्युरेट, पिपेट , कोनिकल फ्लास्क, एरलिन- मायेर फ्लास्क इत्यादि के उपयोग विधि की जानकारी दी ।

दिनांक 22-2-23 को डॉ निमिष कुमार ने डिस्टिलेशन उपकरण की क्रियाविधि तथा आसवन तकनीक के बारे में विस्तार से बताया। डिस्टिलेशन प्रोसेस अर्थात् आसवन क्रिया विधि में किसी भी मिश्रण में उपस्थित घटकों को द्रव्य फॉर्म परिवर्तित किया जा सकता है मिश्रण में उपस्थित विभिन्न घटकों के क्वथनांक में अंतर होने के कारण कम क्वथनांक वाला पदार्थ जल्दी ही भाप में परिवर्तित हो जाता है और उसको कंडेंसेशन प्रक्रिया द्वारा द्रव्य फॉर्म में परिवर्तित कर लिया जाता है। कच्चे तेल में उपस्थित विभिन्न घटकों जैसे कि पेट्रोलियम, गैस, पेट्रोल, केरोसिन, डीजल, फ्यूल ऑयल, पैराफिन वैक्स, एस्फाल्ट लुब्रिकेटिंग ऑयल आदि को आसवन विधि द्वारा ही अलग किया जाता है। आसवन विधि का उपयोग जल को प्यूरिफाई करने के लिए, फर्मेंटेशन प्रोसेस में से अल्कोहल निकालने के लिए और फार्मास्यूटिकल्स में एक्टिव इनग्रेडिएंट के लिए काम में लिया जाता है। लैब में डिस्टिल्ड वाटर का उपयोग मीडियम बनाने और विलयन बनाने में किया जाता है।



दिनांक 23-2-23 को रोहित वर्मा ने छात्राओं को विभिन्न प्रकार के माप के यूनित कन्वर्जन, बेसिक मैथमेटिकल कैलकुलेशन, लॉग कन्वर्जन की ट्रिक्स बताई।

दिनांक 27-2-2023 को फीजिक्स विभाग में सहायक आचार्य डॉ काजल कुमावत ने छात्राओं को विद्युत सर्किट, अर्थिंग, वायरिंग इत्यादि के बारे में बताया। उन्होंने विद्युत से संबंधित विभिन्न उपकरणों के साथ साथ वोल्टमीटर, एमीटर के उपयोग प्रयोग के बारे में भी सिखाया। कंडेंसर, आई सी, डायोड, इत्यादि क्या

होते हैं किस काम आते हैं, साथ ही इनके द्वारा गणनाएं कैसे करते हैं इसके बारे में छात्राओं को प्रशिक्षित किया। श्री गिरिराज कारपेंटर ने मल्टीमीटर की सहायता से प्रतिरोध, संधारित्र, डायोड, ट्रांजिस्टर इत्यादि की जांच करना और माप करना सिखाया। कोर्स समन्वयक डॉ पूनम जायसवाल ने छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस उपकरणों के बारे में जानने से आप घरों और प्रयोगशाला में होने वाले छोटे मोटे व्यवधानों को स्वयं ही सुधार सकते हैं। दिनांक 28-2-2023 को साथ ही फीजिक्स विभाग में सहायक आचार्य संजू माहिच ने भौतिकी के उपकरणों का उपयोग और कार्यविधि की जानकारी छात्राओं को दी।



दिनांक 1 मार्च 2023 को सुश्री कंचन कुमारी सहायक आचार्य रसायन शास्त्र द्वारा कलरीमीटर, गलनांक उपकरण, एवं ताप स्थिर मापी का प्रायोगिक उपयोग छात्राओं को बताया | सुश्री कंचन कुमारी ने कलरी मीटर की जानकारी देते हुए कहा कि इसके उपयोग से हम अज्ञात विलयन की सांद्रता ज्ञात कर सकते हैं

इसके लिए हमें संदर्भ के रूप में जल का उपयोग करना पड़ता है। साथ ही गलनांक उपकरण द्वारा कार्बनिक यौगिक का गलनांक ज्ञात कर पहचान की जा सकती है। स्थिर तापमापी का उपयोग कर निश्चित ताप पर किसी भी रासायनिक अभिक्रिया का गतिज अध्ययन किया जाता है।

इसी क्रम में दिनांक 2-2-2023 को सहायक आचार्य शास्त्र रसायन शास्त्र सुश्री प्रीति बेरवा ने छात्राओं को हाइड्रोजन सल्फाइड गैस बनाने के उपकरण को समझाया व H₂S गैस बनाना सिखाया हाइड्रोजन सल्फाइड गैस का उपयोग कीटनाशकों, रंगों व फार्मास्युटिकल्स क्षेत्र में किया जाता है। साथ ही डॉ बेरवा ने छात्राओं को इलेक्ट्रॉनिक वजनी मशीन के बारे में समझाया जिसका उपयोग किसी भी पदार्थ का द्रव्यमान मापने के लिए किया जाता है। छात्राओं को लैब में अलग-अलग मोलर सांद्रता के विलियन बनाना भी सिखाया गया जिसका उपयोग अनुमापन आदि में किया जाता है। अंत में रसायन प्रयोगशाला में कार्य करते वक्त रखे जाने वाले सुरक्षा नियमों के बारे में छात्राओं को जानकारी दी गई।



दिनांक 3-2-23 को सहायक आचार्य डॉ सरिता खंडेलवाल ने द्रव के विभिन्न भौतिक गुण निकालने में काम आने वाले उपकरण जैसे स्टैलगमोमीटर, ओस्टवाल्ड विस्कोमीटर और कैलोरीमीटर आदि की क्रियाविधि की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्टैलगमोमीटर द्वारा ड्रॉप काउंट विधि से पृष्ठ तनाव एवम ओस्टवाल्ड विस्कोमीटर का उपयोग तरल प्रवाह का समय निकालकर अज्ञात द्रव की श्यानता के निर्धारण में किया जाता है। कैलोरीमीटर का उपयोग अम्ल और क्षार की उदासीनीकरण ऊष्मा निकालने में किया जाता है। पृष्ठ तनाव, श्यानता, उदासीनीकरण ऊष्मा एवम ऊष्माशोषी व ऊष्माक्षेपी अभिक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया।



दिनांक 9-3-23 को डॉ मौसमी मीना, सहायक आचार्य, प्राणी शास्त्र, द्वारा रक्त समूह की पहचान और रक्त की स्लाइड बनाना, बताया। साथ ही रक्त से जुड़े बीमारियों के लक्षण और रक्त की कमी से होने वाले रोगों के बारे में विस्तार से समझाया। प्रयोगशाला में रक्त के प्रायोगिक प्रदर्शन कर छात्रावों को प्रशिक्षित किया।

दिनांक 10-3-2023 को इसी क्रम में वनस्पति शास्त्र विभाग में सहायक आचार्य डॉ नीतिका सिंह ने छात्राओं को स्टेरलाइजेशन तकनीक सिखाई और इस तकनीक के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया।

दिनांक 11-3-2023 को अनीता मालव, सहायक आचार्य, वनस्पति शास्त्र विभाग ने छात्राओं को माइक्रोस्कोपी में प्रशिक्षित किया। उन्होंने कम्पाउन्ड माइक्रोस्कोप, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप की कार्यविधि के बारे में छात्राओं को समझाया।



दिनांक 12-3-2023 को इससे पूर्व गणित विभाग में सहायक आचार्य डॉ अन्नू बंशीलाल ने अवकलन, समाकलन, चर, अचर व प्राचर के बारे में बताया। अवकलन और समाकलन के अनुप्रयोग और विभिन्न सूत्रों के बारे में बताया। साथ ही मैथटाईप (Mathtype) सॉफ्टवेयर के बारे में भी जानकारी दी जिसके द्वारा माइक्रोसाफ्ट वर्ड में गणितीय समीकरण को आसानी से लिख सकते हैं या इंसर्ट कर सकते हैं।

दिनांक 13-3-23 को रसायन शास्त्र विभाग की सह आचार्य डॉक्टर आरती शाह द्वारा रसायन शास्त्र प्रयोगशाला में प्रयोग में लिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के विलयन एवं अभिकर्मक के उपयोग एवम बनाने की जानकारी दी । स्पेक्ट्रोफोटोमीटर द्वारा विभिन्न रंगीन विलयन के तरंग धैर्य ज्ञात करना एवं अज्ञात विलयन की सांद्रता ज्ञात करना समझाया एवं प्रयोगशाला में छात्राओं को स्पेक्ट्रोफोटोमीटर के प्रायोगिक उपयोग का भी प्रशिक्षण दिया गया।



| Sr. No. | Name of instructor/resourceperson | Topics |
|---------|-----------------------------------|---|
| 1 | Dr Saraswati Agarwal | Glassware and laboratory equipments |
| 2 | Mr Nimish Kumar | Distillation and condensation process |
| 3 | Mr Rohit Kumar | Measurement & units |
| 4 | Mrs Kajal Kumawat | Electronics equipment uses in laboratory |
| 5 | Dr Mosmee Meena | Identification of blood group |
| 6 | Dr Nitika Singh | Sterilization technique |
| 7 | Mrs Anita Malav | Microscopy |
| 8 | Ms Kanchan Kumari | Calorimeter, melting point equipment, Thermostatics |
| 9 | Ms Sanju Dadhich | Lab equipment for physics and their procedure |
| 10 | Dr Sarita Khandelwal | Stalagmometer, Ostwald Viscometer |
| 11 | Ms Preeti Bairwa | Kipps apparatus |
| 12 | Dr Arti Shah | Spectrophotometer |
| 13 | Dr Annu Banshiwal | Basic of Differentiation and integration and equation editor MathType |

| Janki Devi Bajaj Government Girls College, Kota | | |
|---|------------------------|-----------------|
| Basic Instrumentation & Laboratory Techniques 21/2-23/3/2023 | | |
| List of Participants | | |
| S. N. | Name of Student | Class |
| 1 | Saniya anjum | B. Sc. Part-II |
| 2 | sayyad aqsa | B. Sc. Part-III |
| 3 | Shivani pahadiya | B. Sc. Part-III |
| 4 | Falak naaz mansuri | B. Sc. Part-III |
| 5 | Nikita Vaishnav | B. Sc. Part-III |
| 6 | Saloni | B. Sc. Part-III |
| 7 | Muskan sharma | B. Sc. Part-II |
| 8 | Vandana | B. Sc. Part-I |
| 9 | Diksha soni | B. Sc. Part-I |
| 10 | Chetna Meena | B. Sc. Part-I |
| 11 | Saloni soni | B. Sc. Part-I |
| 12 | Akansha Tiwari | B. Sc. Part-II |
| 13 | Yashvi Jangid | B. Sc. Part-I |
| 14 | Shruti gautam | B. Sc. Part-III |
| 15 | Shruti Gautam | B. Sc. Part-III |
| 16 | Sweety Adgiri | B. Sc. Part-I |
| 17 | Mamta Shah | B. Sc. Part-I |
| 18 | Manisha jain | B. Sc. Part-I |
| 19 | Chanchal chittora | B. Sc. Part-III |
| 20 | Pooja Suman | B. Sc. Part-I |
| 21 | Anshu Jasrotia | B. Sc. Part-II |
| 22 | Neha kodwani | B. Sc. Part-I |
| 23 | Rishita gaur | B. Sc. Part-II |
| 24 | Tanishka | B. Sc. Part-I |
| 25 | Srishti verma | M. Sc. Final |
| 26 | Shivani Sharma | M. Sc. Pre. |
| 27 | Shivani Sharma | M. Sc. Pre. |
| 28 | Saloni mehara | B. Sc. Part-II |
| 29 | Janvi mehra | B. Sc. Part-I |
| 30 | Ilma Pathan | B. Sc. Part-I |
| 31 | Ridhika nagar | B. Sc. Part-I |
| 32 | Shahana khokhar | B. Sc. Part-II |
| 33 | Madhu verma | B. Sc. Part-III |
| 34 | Divya Dadhich | B. Sc. Part-I |
| 35 | Komal suman | B. Sc. Part-I |
| 36 | Harshita jain | B. Sc. Part-II |
| 37 | indra verma | B. Sc. Part-I |

| | | |
|----|-------------------|-----------------|
| 38 | Khushboo solanki | B. Sc. Part-III |
| 39 | Alisha | B. Sc. Part-III |
| 40 | Laxmi gurjar | B. Sc. Part-II |
| 41 | Aparna Swarnkar | B. Sc. Part-III |
| 42 | Shivani meena | B. Sc. Part-III |
| 43 | Urvi Sharma | B. Sc. Part-III |
| 44 | Saniya alam | B. Sc. Part-I |
| 45 | Mona Tamoli | B. Sc. Part-I |
| 46 | Pooja Saini | B. Sc. Part-II |
| 47 | Kiran dayma | B. Sc. Part-I |
| 48 | jyoti dayma | B. Sc. Part-I |
| 49 | Simran khinchi | B. Sc. Part-II |
| 50 | Neetu chouhan | B. Sc. Part-I |
| 51 | PRERNA MAHAWAR | B. Sc. Part-I |
| 52 | Ritu suman | B. Sc. Part-II |
| 53 | Jaya sharma | B. Sc. Part-III |
| 54 | Fiza | B. Sc. Part-I |
| 55 | Harshita kashyap | B. Sc. Part-I |
| 56 | Nikhat ansari | B. Sc. Part-I |
| 57 | Aayushi koshal | B. Sc. Part-I |
| 58 | Kritika Maharania | B. Sc. Part-I |
| 59 | Khushi Prajapati | B. Sc. Part-I |
| 60 | Sneha goyal | B. Sc. Part-II |
| 61 | Apoorva | B. Sc. Part-III |
| 62 | Priyanshi Nagar | B. Sc. Part-I |
| 63 | Khushi gochar | B. Sc. Part-II |
| 64 | Salin pahariya | B. Sc. Part-III |
| 65 | Khushboo shekh | B. Sc. Part-II |
| 66 | Himanshi mahawer | B. Sc. Part-II |
| 67 | Manisha meena | B. Sc. Part-II |
| 68 | Kiran Meena | B. Sc. Part-I |
| 69 | Kashish noori | B. Sc. Part-I |
| 70 | Asreen Bano | B. Sc. Part-II |
| 71 | Afreen Mirza | B. Sc. Part-I |
| 72 | Sanjana Meghwal | B. Sc. Part-I |
| 73 | KHUSHI SHARMA | B. Sc. Part-III |

करोली और टांडाभीम शामिल किए हैं। प्रत्येक कॉलेज में 60 सीट हैं।

बेसिक इंस्ट्रूमेंटेशन एंड लैबोरेटरी सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

कोटा। जेडीबी कॉलेज में नियमित छात्राओं के लिए बेसिक इंस्ट्रूमेंटेशन एंड लैबोरेटरी टेक्नीक्स विषय पर मंगलवार को सर्टिफिकेट कोर्स शुरू हुआ। प्राचार्य डॉ संजय भागव ने बताया कि राजस्थान में यह ट्रेनिंग सिर्फ इसी कॉलेज में है। पहले दिन डॉ. सरस्वती अग्रवाल ने रसायन शास्त्र में काम आने वाले ग्लासवेयर, विभिन्न उपकरणों की क्रियाविधि तथा उपयोग तकनीक के बारे बताया। आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. शुचिता जैन, वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव, डॉ.



रेणु त्यागी ने अपनी डिग्री के साथ साथ रोजगार पत्रक सीखने के लिए प्रेरित किया।

कोर्स समन्वयक डॉ. पूनम जायसवाल ने बताया कि 15

दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑफलाइन होगा। छात्राओं को भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र और प्राणी शास्त्र के लैब उपकरणों के प्रयोग की तकनीक सिखाई जाएगी।

जेडीबी विज्ञान में बेसिक इंस्ट्रूमेंटेशन व लैबोरेटरी टेक्नीक्स कोर्स शुरू

संदेश न्यूज। कोटा. जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय में नियमित छात्राओं के लिए नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा बेसिक इंस्ट्रूमेंटेशन व लैबोरेटरी टेक्नीक्स विषय पर सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. संजय भागव ने कहा कि राजस्थान में यह ट्रेनिंग प्रोग्राम सिर्फ इसी कॉलेज में चलाया जा रहा है। छात्राएं इस अवसर का लाभ उठाएं तथा अपने कौशल को विकसित करें। प्रशिक्षण के प्रथम दिन डॉ. सरस्वती अग्रवाल ने रसायन शास्त्र में काम आनेवाले ग्लासवेयर व विभिन्न उपकरणों की

क्रियाविधि तथा उपयोग तकनीक के बारे विस्तार से बताया। कोर्स समन्वयक डॉ. पूनम जायसवाल ने बताया कि यह 15 दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑफलाइन होगा। छात्राओं को भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र और प्राणी शास्त्र के लैब उपकरणों के प्रयोग की तकनीक सिखाई जाएगी। साथ ही मूलभूत गणितीय गणनाएं भी सिखाई जाएंगी। इस कोर्स में 85 छात्राओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया है।



छात्राओं को दिया प्रशिक्षण



नवज्योति/कोटा।

जेडीबी साइंस कॉलेज में नवाचार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बेसिक इंस्ट्रूमेंटेशन एंड लैबोरेटरी टेक्नीक्स प्रशिक्षण में छात्राओं को डिस्टिलेशन प्रक्रिया की क्रियाविधि समझाई। वहीं, आसवन तकनीक की जानकारी दी। डॉ. निमिष कुमार ने बताया कि डिस्टिलेशन प्रोसेस यानी आसवन क्रिया विधि में किसी भी मिश्रण में उपस्थित घटकों को द्रव्य फार्म परिवर्तित किया जा सकता है। कच्चे तेल में उपस्थित

पेट्रोलियम, गैस, केरोसिन, डीजल, फ्यूल ऑयल, पैराफिन वैक्स, एस्फाल्ट लुब्रिकेटिंग ऑयल को आसवन विधि द्वारा ही अलग किया जाता है। आसवन विधि का उपयोग जल को प्यूरिफाई करने के लिए, फर्मेंटेशन प्रोसेस में से अल्कोहल निकालने के लिए और फार्मास्यूटिकल्स में एक्टिव इंग्रेडिएंट के लिए काम में लिया जाता है। लैब में डिस्टिल्ड वाटर का उपयोग मीडियम बनाने और विलयन बनाने में किया जाता है।

जेडीबी कॉलेज में लेबोरेट्री टेक्निक्स प्रशिक्षण हुआ

कोटा | जेडीबी साइंस कॉलेज में बुधवार को बेसिक इंस्ट्रूमेंटेशन एंड लेबोरेटरी टेक्नीक्स प्रशिक्षण हुआ। केमिस्ट्री डिपार्टमेंट के डॉ. निमिष कुमार ने डिस्टिलेशन उपकरण की क्रियाविधि तथा आसवन तकनीक बताई। उन्होंने कहा कि इस विधि का उपयोग पानी साफ करने के लिए, फर्मेंटेशन प्रोसेस में से अल्कोहल निकालने के लिए और फार्मास्यूटिकल्स में एक्टिव इनग्रेडिएंट के लिए काम में लिया जाता है।

एस
नी

सेमी की टक नवं जनों की आपरेशन निकाली। विभाग के नेश जैन आचार्य आचार्य हा। गोट भिजवाई ल्क हुआ आया।

जेडीबी में बेसिक इंस्ट्रूमेंटेशन एंड लैब टेक्निक कोर्स शुरू

कोटा | जेडीबी कॉलेज में नियमित छात्राओं के लिए नवाचार प्रकोष्ठ की ओर से बेसिक इंस्ट्रूमेंटेशन एंड लैबोरेटरी टेक्निक्स विषय पर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया गया। कोर्स के उद्घाटन पर प्राचार्य डॉ. संजय भागव ने कहा कि राजस्थान में यह ट्रेनिंग प्रोग्राम सिर्फ इसी कॉलेज में चलाया जा रहा है। अतः छात्राएं इस अवसर का लाभ उठाएं तथा अपने कौशल को विकसित करें। इस मौके पर आईक्यूए सी प्रभारी डॉ. शुचिता जैन, वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव व डॉ. रेनु त्यागी आदि मौजूद रहे।

आयु
कोटा
बैठक
समीक्ष
लेबर
डेयरी

ATON

The Ato
CONTRA
register.
the web
duly file
Photoco
Exam.C

The sch

S No.

01

02

03

The dete
Website:

जेडीबी साइंस में टेक्निकल सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

नवज्योति/कोटा। जेडीबी साइंस कॉलेज में नियमित छात्राओं के लिए बेसिक इंस्ट्रूमेंटेशन एंड लैबोरेटरी टेक्नीक्स विषय पर सर्टिफिकेट कोर्स का मंगलवार से शुभारंभ किया। प्राचार्य डॉ. संजय भागव ने कहा, राजस्थान में यह ट्रेनिंग प्रोग्राम सिर्फ इसी कॉलेज में चलाया जा रहा है। छात्राएं इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने कौशल को विकसित करें। डॉ. सरस्वती अग्रवाल ने रसायन शास्त्र में काम आने वाले ग्लासवेयर व विभिन्न उपकरणों की क्रियाविधि व उपयोग की तकनीक की जानकारी दी। आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. शुचिता जैन, वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव, डॉ. रेनु त्यागी ने कहा, छात्राओं को डिग्री के साथ टेक्निकल कोर्स सीखने से रोजगार में सहायता मिलेगी। डॉ. पूनम जायसवाल ने बताया कि यह 15 दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑफलाइन होगा। जिसमें छात्राओं को भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र और प्राणी शास्त्र के लैब उपकरणों के उपयोग की तकनीक सिखाई जाएगी।

जेडीबी में कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन

कोटा | जेडीबी कॉलेज में सोमवार को नवाचार प्रकोष्ठ की ओर से लैब टेक्निक्स कौशल विकास प्रशिक्षण में फिजिक्स विभाग में सहायक आचार्य डॉ. काजल कुमावत ने छात्राओं को विद्युत सर्किट, अर्थिंग, वायरिंग के बारे में जानकारी दी। विद्युत से संबंधित उपकरणों के साथ-साथ वोल्टमीटर, एमीटर के प्रयोग के बारे में सिखाया।

गिरिराज ने मल्टीमीटर की सहायता से प्रतिरोध, संधारित्र, डायोड, ट्रांजिस्टर इत्यादि की जांच करना और माप करना सिखाया। कोर्स समन्वयक डॉ. पूनम जायसवाल ने कहा कि उपकरणों के बारे में जानने से आप घरों और प्रयोगशाला में होने-वाले छोटी-मोटी तकनीकी खराबी सुधार सकेंगी।

जेडीबी कॉलेज में नवाचार प्रकोष्ठ की कार्यशाला

संदेश न्यूज। कोटा.

जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय, कोटा में नवाचार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बेसिक इन्स्ट्रूमेंटेशन एंड लैबोरेटरी टेक्नीक्स प्रशिक्षण में डॉ. निमिष कुमार ने डिस्टिलेशन उपकरण की क्रियाविधि तथा आसवन तकनीक के बारे में विस्तार से बताया। डिस्टिलेशन प्रोसेस अर्थात् आसवन क्रियाविधि में किसी भी मिश्रण में उपस्थित घटकों को द्रव्य फॉर्म में परिवर्तित किया जा सकता है।



मिश्रण में उपस्थित विभिन्न घटकों के क्वथनांक में अंतर होने के कारण कम क्वथनांक वाला पदार्थ जल्दी ही भाप में परिवर्तित हो जाता है और उसको कंडेंसेशन

प्रक्रिया द्वारा द्रव्य फॉर्म में परिवर्तित कर लिया जाता है। लैब में डिस्टिल्ड वाटर का उपयोग मीडियम बनाने और विलयन बनाने में किया जाता है।



कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित

कोटा @ पत्रिका. जेडीबी कॉलेज के नवाचार प्रकोष्ठ की ओर से सोमवार को लैब टेक्नीक्स कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किया। इसमें फिजिक्स विभाग में सहायक

आचार्य डॉ. काजल कुमावत ने छात्रों को विद्युत सर्किट, अर्थिंग, वायरिंग के बारे में बताया। डॉ. पूनम जायसवाल ने बताया कि गिरिराज कारपेंटर ने भी प्रशिक्षण दिया।

छात्रों को विद्युत सर्किट, अर्थिंग तथा वायरिंग के बारे में बताया

लैबोरेटरी टेक्नीक्स कौशल विकास प्रशिक्षण

नवज्योति/कोटा

जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय नवाचार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में लैबोरेटरी टेक्नीक्स कौशल विकास प्रशिक्षण में फिजिक्स विभाग में सहायक आचार्य डॉ. काजल कुमावत ने छात्रों को विद्युत सर्किट, अर्थिंग तथा वायरिंग आदि के बारे में बताया।

उन्होंने विद्युत से संबंधित विभिन्न उपकरणों के साथ-साथ वोल्टमीटर, एमीटर के उपयोग, प्रयोग के बारे में भी सिखाया। कंडेंसर, आईसी, डायोड, इत्यादि क्या होते हैं, किस काम आते हैं। साथ ही इनके द्वारा गणनाएं कैसे करते हैं इसके बारे में छात्रों को प्रशिक्षित किया। इसी प्रकार गिरिराज कारपेंटर ने मल्टीमीटर की सहायता



से प्रतिरोध, संधारित्र, डायोड, ट्रांजिस्टर इत्यादि की जांच करना और माप करना सिखाया। कोस समन्वयक डॉ. पूनम जायसवाल ने छात्रों को प्रोत्साहित

करते हुए कहा कि इस उपकरणों के बारे में जानने से घरों और प्रयोगशाला में होने वाले छोटे मोटे व्यवधानों को स्वयं ही सुधार जा सकता है।

छात्राओं को विद्युत उपकरणों की जानकारी दी



संदेश न्यूज। कोटा। जेडीबी राजकीय कन्या महाविद्यालय कोटा में नवाचार प्रकोष्ठ की ओर से लैबोरेटरी टेक्नीक्स कौशल विकास प्रशिक्षण में फीजिक्स विभाग में सहायक आचार्य डॉ. काजल कुमावत ने छात्राओं को विद्युत सर्किट, अर्थिंग, वायरिंग इत्यादि के बारे में बताया। उन्होंने विद्युत से संबंधित विभिन्न उपकरणों के साथ साथ वोल्टमीटर, एमीटर के उपयोग प्रयोग के बारे में भी सिखाया। गिरिराज कारपेंटर ने मल्टीमीटर की सहायता से प्रतिरोध, संधारित्र, डायोड, ट्रांजिस्टर इत्यादि की जांच करना और माप करना सिखाया गया। कोर्स समन्वयक डॉ. पूनम जायसवाल ने कहा कि प्रयोगशाला में शामिल होकर हम छोटे-मोटे व्यवधानों को स्वयं ही सुधार सकते हैं।

लैब टेक्निक कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर

कोटा | जेडीबी कॉलेज के नवाचार प्रकोष्ठ की ओर से लैब टेक्निक कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर लगाया। इसमें रसायन शास्त्र विभाग की सह आचार्य डॉ. आरती शाह ने रसायन शास्त्र प्रयोगशाला में छात्राओं को स्पेक्ट्रो फोटोमीटर के प्रायोगिक उपयोग का भी प्रशिक्षण दिया। सहायक आचार्य डॉ. अन्नू बंशीलाल ने बताया कि शिविर में मैथटाइप सॉफ्टवेयर के बारे में भी जानकारी दी।

जेडीबी में नवाचार पर सेमिनार आयोजित



कोटा | जेडीबी कॉलेज में नवाचार प्रकोष्ठ में बेसिक इंस्ट्रुमेंटेशन व लैबोरेटरी टेक्निक की कक्षा में रसायन शास्त्र सहायक आचार्य कंचन कुमारी ने कलरीमीटर, गलनांक उपकरण व ताप स्थिर मापी का प्रायोगिक उपयोग छात्राओं को बताया। कंचन कुमारी ने कहा कि इसके उपयोग से हम अज्ञात विलयन की सांद्रता ज्ञात कर सकते हैं। इसके लिए हमें संदर्भ के रूप में जल का उपयोग करना पड़ता है। साथ ही गलनांक उपकरण द्वारा कार्बनिक यौगिक का गलनांक ज्ञात कर पहचान की जा सकती है। स्थिर तापमापी का उपयोग कर निश्चित ताप पर किसी भी रासायनिक अभिक्रिया का गतिज अध्ययन किया जाता है। कोर्स समन्वयक डॉ. पूनम जायसवाल ने आगामी कक्षाओं की जानकारी दी।

भौतिकी उपकरणों के उपयोग की दी जानकारी



नवज्योति/कोटा

जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय में नवाचार प्रकोष्ठ में बेसिक इंस्ट्रुमेंटेशन व लैबोरेट्री टेक्निक की कक्षा में कंचन कुमारी सहायक आचार्य रसायन शास्त्र द्वारा कलरीमीटर, गलनांक उपकरण एवं ताप स्थिर मापी का प्रायोगिक उपयोग छात्रों को बताया। साथ ही फीजिक्स विभाग में सहायक आचार्य संजू माहिच ने

भौतिकी के उपकरणों का उपयोग और कार्यविधि की जानकारी छात्रों को दी। कंचन कुमारी ने कलरी मीटर की जानकारी देते हुए कहा कि इसके उपयोग से हम अज्ञात विलयन की सांद्रता ज्ञात कर सकते हैं। इसके लिए हमें संदर्भ के रूप में जल का उपयोग करना पड़ता है। कोर्स समन्वयक डॉ. पूनम जायसवाल ने आगामी कक्षाओं को जानकारी दी।

Chambal Sand... ✍ 🔍 :

जेडीबी कॉलेज में नवाचार प्रकोष्ठ की कार्यशाला

संदेश न्यूज। कोटा.

जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय में नवाचार प्रकोष्ठ में बेसिक इंस्ट्रुमेंटेशन व लैबोरेट्री टेक्निक की कक्षा में सहायक आचार्य रसायन शास्त्र कंचन कुमारी द्वारा कलरीमीटर, गलनांक उपकरण एवं ताप स्थिर मापी का प्रायोगिक उपयोग छात्रों को बताया। साथ ही फीजिक्स विभाग में सहायक आचार्य संजू माहिच ने भौतिकी के उपकरणों का उपयोग और कार्यविधि की जानकारी छात्रों को दी। कंचन कुमारी ने कलरी

मीटर की जानकारी देते हुए कहा कि इसके उपयोग से हम अज्ञात विलयन की सांद्रता ज्ञात कर सकते हैं।

इसके लिए हमें संदर्भ के रूप में जल का उपयोग करना पड़ता है। गलनांक उपकरण द्वारा कार्बनिक यौगिक का गलनांक ज्ञात कर पहचान की जा सकती है। स्थिर तापमापी का उपयोग कर निश्चित ताप पर किसी भी रासायनिक अभिक्रिया का गतिज अध्ययन किया जाता है। कोर्स समन्वयक डॉ. पूनम जायसवाल ने आगामी कक्षाओं की जानकारी दी।

जेडीबी छात्रों को रक्त संबंधित लैब की जानकारी दी

संदेश न्यूज। कोटा. जेडीबी कॉलेज के नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित लैब टेक्नीक कौशल विकास प्रशिक्षण प्राणी शास्त्र सहायक आचार्य डॉ. मौसमी मीना द्वारा रक्त समूह की पहचान और रक्त की स्लाइड बनाने के बारे में बताया गया। साथ ही रक्त से जुड़े बीमारियों के लक्षण और रक्त की कमी से होने वाले रोगों के बारे में विस्तार से समझाया। प्रयोगशाला में रक्त के प्रायोगिक प्रदर्शन कर छात्रों को प्रशिक्षित किया। इसी क्रम में वनस्पति शास्त्र विभाग में सहायक आचार्य डॉ. नीतिका सिंह ने छात्रों को स्टेरलाइजेशन तकनीक सिखाई और इस तकनीक के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। अनीता मालव ने छात्रों को माइक्रोस्कोपी में प्रशिक्षित किया। उन्होंने कम्पाउन्ड माइक्रोस्कोप, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप की कार्यविधि के बारे में छात्रों को समझाया। कोर्स समन्वयक डॉ. पूनम जायसवाल ने बताया कि 15 दिन चलने वाले इस प्रशिक्षण में 80 छात्रएं भाग ले रही हैं।



छात्राओं को दी मैथटाइप सॉफ्टवेयर की जानकारी

नवज्योति/कोटा। जेडीबी कॉलेज के नवाचार प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित लैब टेक्निक कौशल विकास प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को तकनीकी जानकारी दी गई। रसायन शास्त्र की सह आचार्य डॉ. आरती शाह ने लैब में उपयोग में लिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के विलयन एवं अभिकर्मक के उपयोग की जानकारी दी। गणित के सहायक आचार्य डॉ. अन्नू बंशीलाल ने अवकलन, समाकलन, चर, अचर व प्राचर के बारे में बताया। मैथटाइप सॉफ्टवेयर की जानकारी दी।



छात्राओं को विलयन एवं अभिकर्मक के उपयोग एवं बनाने की जानकारी दी

संदेश न्यूज। कोटा। जेडीबी कॉलेज के नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित लैब टेक्निक कौशल विकास प्रशिक्षण के तहत रसायन शास्त्र विभाग की सह आचार्य डॉ. आरती शाह ने शनिवार को रसायन शास्त्र प्रयोगशाला में प्रयोग में लिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के विलयन एवं अभिकर्मक के उपयोग एवं बनाने की जानकारी दी। इससे पूर्व गणित विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अन्नू बंशीलाल ने अवकलन, समाकलन, चर, अचर व प्राचर के बारे में बताया।



Yamunwan

Anita
प्रचार्य

क. व. व. सहायक कन्या महाविद्यालय, कोटा